

ई-सिंदर

18 दिसंबर, 2025 | संयुक्तांक 183 -184

सात दिन - सात पृष्ठ



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 30 प्र० पी०ए०सी० के संस्थापना दिवस समारोह-2025 के शुभारम्भ कार्यक्रम की गरिमा को उत्कर्ष प्रदान करते हुए ।

- होमगार्ड्स समाज का विश्वास और प्रदेश सरकार की शक्ति हैं: मुख्यमंत्री
- 30 प्र० वर्तमान में बेस्ट डेस्टिनेशन के रूप में पहचाने जाने वाले राज्यों में एक: मुख्यमंत्री
- सैनिकों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव प्रत्येक भारतीय में होना चाहिए: मुख्यमंत्री
- किसानों को सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु डबल इंजन सरकार कृत संकल्पित है : मुख्यमंत्री
- 30 प्र० को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने की दिशा में कार्यों को और तेज गति से आगे बढ़ाया जाए : मुख्यमंत्री
- पी०ए०सी० बल के अनुशासन, शौर्य, त्याग और समर्पण का एक गौरवशाली इतिहास है : मुख्यमंत्री

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश



होमगार्ड्स समाज का विश्वास और प्रदेश सरकार की शक्ति हैं: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 06 दिसम्बर, 2025 को यहां लखनऊ में उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स संगठन के 63वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स विभाग के राष्ट्रपति पदक विजेता अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया। उन्होंने परेड का निरीक्षण किया तथा सलामी ली। समारोह में मुख्यमंत्री जी ने होमगार्ड्स के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपका अनुशासन, निष्ठा व त्याग हमारे समाज को सुरक्षित तथा संरक्षित बनाने में बड़ी भूमिका का निर्वहन करता है। आप केवल एक बल के स्वयंसेवक नहीं, बल्कि समाज का विश्वास और प्रदेश सरकार की शक्ति हैं। आपकी सेवा ही सम्मान व अनुशासन पहचान है। राष्ट्रहित हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता में होना चाहिए। यही भावना प्रत्येक होमगार्ड्स जवान की सेवा को महान बनाएगी। प्रदेश सरकार होमगार्ड्स के जवानों के कल्याण के लिए पूरी तरह संकल्पित है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि होमगार्ड्स संगठन अब केवल पुलिस के सहायक के रूप में नहीं है। यह बल पुलिस के साथ कन्धे से कन्धा मिलाते हुए यातायात संचालन, डायल 112, चुनाव ड्यूटी, जेल सुरक्षा तथा कुम्भ जैसे आयोजनों में कानून व्यवस्था और शांति का वातावरण बनाने में अपना योगदान देता है। इनके सराहनीय योगदान के कारण चुनाव ड्यूटी के दौरान न केवल प्रदेश में बल्कि देश के विभिन्न राज्यों में इनकी मांग होती है। यह संगठन प्रदेश में परीक्षाओं को

सकुशल सम्पन्न कराने में अभूतपूर्व कार्य कर रहा है। वर्तमान में प्रदेश में आपदा मित्रों की नियुक्ति हो रही है। होमगार्ड्स विभाग ने राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के साथ सामंजस्य बनाकर 04 हजार से अधिक जवानों को आपदा मित्र के रूप में प्रशिक्षित किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि होमगार्ड्स जवानों की बेहतरी के लिए प्रदेश सरकार ने उनके दैनिक और प्रशिक्षण भत्तों में समय-समय पर वृद्धि करने के साथ ही अन्तरजनपदीय भत्ते को बढ़ाकर 04 गुना कर दिया है। सरकार ने होमगार्ड्स स्वयंसेवकों के अच्छे टर्न आउट को देखते हुए सर्वप्रथम 03 हजार रुपये प्रति तीन वर्ष में ऑनलाइन भुगतान किए जाने की व्यवस्था की है। होमगार्ड्स विभाग के स्वयं के कार्यालयों और भवनों की व्यवस्था करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता में है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि होमगार्ड्स जवानों की बेहतरी के लिए प्रदेश सरकार ने उनके दैनिक और प्रशिक्षण भत्तों में समय-समय पर वृद्धि करने के साथ ही अन्तरजनपदीय भत्ते को बढ़ाकर 04 गुना कर दिया है। सरकार ने होमगार्ड्स स्वयंसेवकों के अच्छे टर्न आउट को देखते हुए सर्वप्रथम 03 हजार रुपये प्रति तीन वर्ष में ऑनलाइन भुगतान किए जाने की व्यवस्था की है। होमगार्ड्स विभाग के स्वयं के कार्यालयों और भवनों की व्यवस्था करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता में है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज विभाग के 44 कार्यालय अपने भवनों में संचालित हैं। वर्तमान में 09 कार्यालय भवनों तथा मुख्यालय परिसर में कर्मचारियों के आवास के लिए जी\$ 11 बहुमंजिला भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। दुर्घटना में दिवंगत होने

वाले होमगार्ड्स के आश्रितों को विभाग एवं विभिन्न बैंकों के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए दुर्घटना बीमा के रूप में अब 35 से 40 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश पुलिस बल में 02 लाख 19 हजार पुलिस कर्मिकों की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण की है। वर्तमान में राज्य सरकार ने 41 हजार 424 होमगार्ड्स के रिक्त पदों एनरोलमेंट प्रक्रिया प्रारम्भ की है। जो अभ्यर्थी जिस जनपद का निवासी है, उसे उसी जनपद में नियुक्ति प्रदान करने हेतु प्राथमिकता देने पर विचार किया जा रहा है। फर्स्ट रिस्पोंड पर्सन के रूप में आपदा प्रबन्धन की ट्रेनिंग से युक्त होमगार्ड्स का जवान घटना स्थल पर जाकर लोगों को राहत देने में अपना योगदान देगा। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती और प्रोन्नति बोर्ड द्वारा इस प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज होमगार्ड्स के जवानों के लिए प्रदेश सरकार ने व्यवस्था की है कि प्रत्येक थाने में होमगार्ड्स के जवानों के लिए भी एक रूम आरक्षित होना चाहिए। जिसमें वह रह सकें तथा अपनी यूनिफॉर्म व आवश्यक कागजात सुरक्षित रख सकें। होमगार्ड्स विभाग होमगार्ड्स के जवानों को आयुष्मान भारत की तर्ज पर कैशलेस स्वास्थ्य की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एक प्रस्ताव बनाकर भेजे। प्रदेश सरकार इस कार्य को आगे बढ़ाएगी।



30प्र0 वर्तमान में बेस्ट डेस्टिनेशन के रूप में पहचाने जाने वाले राज्यों में एक: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 06 दिसम्बर, 2025 को नई दिल्ली में द हिन्दुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट में सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में देशवासियों के सामने वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा व्यापक विमर्श और जनभागीदारी के आधार पर राज्य का विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है, जिसमें जनप्रतिनिधियों तथा जनता के सुझाव शामिल किए गए हैं। विजन डॉक्यूमेंट के सम्बन्ध में अब तक 98 लाख सुझाव प्राप्त हुए हैं। विकसित भारत के निर्माण में उत्तर प्रदेश की भूमिका के लिए हमने 12 सेक्टर निर्धारित किए हैं। हमारा लक्ष्य वर्ष 2029-30 तक उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाना है। उत्तर प्रदेश वर्ष 2047 तक 06 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी के रूप में अपनी कार्य योजना आगे बढ़ा चुका है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पहले इन्वेस्टर्स समिट में हमें पौने पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। वर्ष 2023 में आयोजित यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में हमें 40 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश का परिवेश और परसेप्शन कैसे बदला है, यह इन प्रस्तावों से देखा जा सकता है। इन प्रस्तावों में से 15 लाख करोड़ रुपये के प्रस्तावों की ग्राउण्ड ब्रेकिंग की जा चुकी है। इनमें प्रोडक्शन शुरू हो चुका है। 05 लाख करोड़ रुपये के प्रस्तावों की शीघ्र ही इनकी ग्राउण्ड ब्रेकिंग की जाएगी। यह उत्तर प्रदेश जैसे राज्य की दृष्टि से

एक मील का पत्थर है, जो डबल इंजन सरकार ने प्रदेश में गढ़ने में सफलता प्राप्त की है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर है, अलग-अलग सेक्टर से जुड़ी हुई पॉलिसेज हैं। उत्तर प्रदेश वर्तमान में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, ईज ऑफ लिविंग, सिंगल विण्डो सिस्टम तथा इन्वेस्टमेंट के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन के रूप में पहचाने जाने वाले राज्यों में एक है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थापना के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति से कार्य किया जा रहा है। बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों से सख्ती से निपटा जा रहा है। उत्तर प्रदेश अब माफिया मुक्त हो चुका है और वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया की जगह 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' तथा 'वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज' जैसी योजनाओं ने ले ली है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2016-17 तक एक्सप्रेस-वे में उत्तर प्रदेश की कहीं गिनती नहीं होती थी। आज देश के एक्सप्रेस-वे में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 55 प्रतिशत है। वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश में लखनऊ और वाराणसी के दो एयरपोर्ट संचालित थे और गोरखपुर एवं आगरा आंशिक रूप से संचालित थे। आज हमारे पास 16 एयरपोर्ट क्रियाशील हैं, जिनमें चार इन्टरनेशनल एयरपोर्ट हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क उत्तर प्रदेश में है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए सर्वाधिक शहरों में मेट्रो का संचालन उत्तर प्रदेश में हो रहा है। देश की पहली रैपिड रेल दिल्ली से मेरठ के बीच संचालित हो रही है। देश का पहला इनलैंड वॉटरवे वाराणसी से

हल्दिया के बीच संचालित हो रहा है। इण्टरस्टेट कनेक्टिविटी को हमने 4-लेन या 6-लेन से जोड़ा है। हर जिला मुख्यालय को 4-लेन, तहसील और ब्लॉक मुख्यालय को 4-लेन और 2-लेन की कनेक्टिविटी दी गयी है। इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही, हमने अर्बनाइजेशन पर भी ध्यान दिया है। हाउसिंग के नियमों में रिफॉर्म किए, एफ0ए0आर0 में छूट दी। नयी आवासीय कॉलोनी बनाने के लिए रिफॉर्म किए गए हैं। बिल्डर और बायर्स की समस्या का समाधान किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आधी आबादी को उसका अधिकार मिलना चाहिए, इसके लिए हमने हर स्तर पर उन्हें समायोजित करने का प्रयास किया है। बेटों के जन्म लेने से लेकर उसके स्नातक तक की मुफ्त पढ़ाई के लिए एक आर्थिक पैकेज उस बेटों को उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से बेटों की शादी के लिए 01 लाख रुपये की सहायता उपलब्ध करायी जाती है। उत्तर प्रदेश पुलिस बल में पहले महिलाओं की संख्या मात्र 10 हजार थी। आज प्रदेश पुलिस बल में महिलाओं की संख्या 44,000 से अधिक है। हमने इस दिशा में बड़े कदम उठाए। बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में महिलाओं को प्राथमिकता देते हुए उनकी भर्ती के कार्यक्रम को तेजी के साथ आगे बढ़ाया गया। नर्सिंग, पैरामेडिकल, मेडिकल और अन्य क्षेत्रों में भी महिलाओं के लिए रास्ते खोले गए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में 90 हजार महिला स्वयं सहायता समूह काम कर रहे हैं। प्रदेश में लखपति दीदी, ड्रोन दीदी के कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का कार्य भी हुआ। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमने मिशन शक्ति के तहत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन के एक बड़े अभियान को अपने हाथों में लिया है। बड़े पैमाने पर महिलाएं इसके साथ जुड़ी हैं और सुरक्षा का एहसास कर रही हैं। यह महिलाएं प्रदेश और केन्द्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रही हैं और इसके माध्यम से समाज को भी लाभान्वित करने में अपना योगदान दे रही हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के नौजवानों के उज्ज्वल भविष्य बेटीयों की सुरक्षा और उनके स्वावलम्बन, प्रदेश के अन्नदाता किसानों की खुशहाली तथा प्रदेश के नागरिकों की पहचान बनाए रखने के लिए जो भी महत्वपूर्ण रिफॉर्म होंगे और जो भी सख्त कदम उठाने होंगे, हम इसमें कोई संकोच नहीं करेंगे। सरकार अपनी जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत आगे बढ़ती रहेगी।

मुख्यमंत्री जी ने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण और श्रीरामलला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा को अपने जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि 500 वर्षों बाद भव्य मंदिर का निर्माण उनकी तीन पीढ़ियों के

संघर्ष से जुड़ी घटना है। इसे अपने सामने होते देखना किसी सौभाग्य से कम नहीं है। मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद अब तक लगभग 24 करोड़ श्रद्धालु अयोध्या आ चुके हैं, जो परिवर्तन की ऐतिहासिकता को दर्शाता है।



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से 13 दिसम्बर, 2025 को केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल जी ने शिष्टाचार भेंट की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 06 दिसम्बर, 2025 को भारतरत्न बोधिसत्व बाबा साहब डॉ० भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर आयोजित विशेष श्रद्धांजलि सभा में उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।





सैनिकों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव प्रत्येक भारतीय में होना चाहिए: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 09 दिसम्बर, 2025 को जनपद गोरखपुर के सैनिक स्कूल में देश के प्रथम चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ (सी0डी0एस0) जनरल बिपिन रावत की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा का अनावरण तथा उनकी स्मृति में बने प्रेक्षागृह का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने जनरल बिपिन रावत के जीवन पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री जी ने देश के प्रथम चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी स्मृति को सैनिक स्कूल के साथ जोड़ा गया है।

मुख्यमंत्री जी ने पुरानी स्मृतियों को ताजा करते हुए कहा कि उनके अन्दर राष्ट्र के प्रति प्रेरणा का भाव दिखाई देता था। उनकी स्मृतियों को हम सैनिक स्कूल के माध्यम से आगे बढ़ा सकें, इसके लिए उनकी प्रतिमा का अनावरण और उनके नाम पर बने प्रेक्षागृह का लोकार्पण हो रहा है। यह जनरल बिपिन रावत के राष्ट्र के प्रति योगदान को स्मरण करने का अवसर है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विकसित, आत्मनिर्भर व सुरक्षित भारत की संकल्पना को पूरा करने के लिए प्रत्येक भारतीय को पंचप्रण लेने का आह्वान किया था। पहले पंचप्रण में प्रधानमंत्री जी ने प्रत्येक नागरिक को अपनी विरासत पर गर्व की अनुभूति करने का आह्वान किया था। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रत्येक भारतवासी अपने देश की आजादी के लिए विदेशी आक्रांताओं के हमलों का सामना करते हुए

वीरगति को प्राप्त करने वाले वीर महापुरुषों, सैनिकों का सदैव सम्मान करता है।

हम प्रभु श्रीराम व श्रीकृष्ण की परम्परा और महाराणा प्रताप, गुरु गोबिन्द सिंह व छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत पर गौरव की अनुभूति करते हैं। प्रत्येक भारतवासी झांसी की रानी लक्ष्मीबाई को सम्मान देता है। आज प्रत्येक भारतवासी महापुरुषों, जिन्होंने मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व त्याग किया, को सम्मान देता है। यही हमारी विरासत है। कोई भी समाज अपनी विरासत को नजरअन्दाज कर आगे नहीं बढ़ सकता। हमारे सामने असमंजस की स्थिति न होकर स्पष्टता की स्थिति होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने दूसरे पंचप्रण में गुलामी के अंशों को समाप्त करने की बात कही है। हमारा यह भाव कि जो विदेशी है, अच्छा है, और जो स्वदेशी है, अच्छा नहीं है, गुलामी की मानसिकता का प्रतीक है। आज हमारे पास सब कुछ है। यदि कुछ नहीं है, तो हम उसे बनाने का प्रयास करेंगे। हमें दूसरों पर अपनी निर्भरता समाप्त कर आत्मनिर्भर होने के लिए कार्य करना है। यह भाव प्रत्येक भारतीय के मन में होना चाहिए। उत्तर प्रदेश आज देश के साथ इस दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हम सिकन्दर को महान न कहकर अपने महापुरुषों को महान कहें। भारत के परमवीर चक्र विजेता भूतपूर्व सैनिक हमारे लिए महान हैं। पुस्तकों में विदेशी आक्रान्ताओं का महिमा मण्डन गुलामी की मानसिकता का प्रतीक है। हमें विदेशी कार्यों की प्रशंसा और भारत के कार्यों की निन्दा करने वाली मानसिकता से दूर होना होगा।

प्रधानमंत्री जी ने तीसरे पंचप्रण में सभी नागरिकों को अपनी सेना के प्रति आदर-सम्मान का प्रण लेने का आह्वान किया। हम चैन से इसलिए सोते हैं, क्योंकि हमारा सैनिक सीमा पर हमारी रक्षा करता है। सैनिकों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव प्रत्येक भारतीय में होना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि चौथे पंचप्रण में प्रधानमंत्री जी ने सभी नागरिकों से सामाजिक एकता पर बल देने की बात की। प्रत्येक नागरिक को समाज को जोड़ने का कार्य करना चाहिए। देश का कल्याण तभी होगा, जब समाज में एकता होगी। हम सभी भारतीय होने के नाते एक हैं। बाबा साहब डॉ० भीमराव आंबेडकर ने भी अपनी पहचान के रूप में स्वयं को केवल भारतीय कहा था। हमें भारत के संविधान शिल्पी का श्रद्धापूर्वक सम्मान करना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने पांचवें पंचप्रण में नागरिक कर्तव्यों के निर्वहन का आह्वान किया है। यह पंचप्रण प्रत्येक भारतीय के लिए एक शाश्वत मंत्र बनने चाहिए। जनरल बिपिन रावत का पूरा जीवन पंचप्रण के लिए समर्पित रहा। आजादी के बाद हमने अधिकार के संरक्षण की बात की, लेकिन कर्तव्यों पर कभी बात नहीं की। जनरल बिपिन रावत ने कहा था कि एक सैनिक केवल अपने कर्म पर ध्यान देता है। अपनी ऊर्जा के लिए लगातार कार्य करता रहता है। कर्म का भाव हमें कर्तव्यों से जोड़ता है। वही देश महान होता है, जिसके नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहते हैं। वह देश कभी भी महान नहीं हो सकता, जो केवल अधिकारों के संरक्षण की बात करता है।



सरकार की यह गारंटी है कि प्रत्येक युवा को कौशल प्राप्त हो और उसे स्थानीय स्तर पर रोजगार भी मिले : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 09 दिसम्बर, 2025 को जनपद गोरखपुर की सहजनवां तहसील के पिपरौली में पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीओएसओआरओ) निधि के तहत 18 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआईआईओ) के भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों का अन्वेषण एवं गर्भवती महिलाओं की गोदभराई भी की।

मुख्यमंत्री जी ने क्षेत्र को दिए गये इस उपहार के लिए पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इण्डिया के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अपनी सीओएसओआरओ निधि से पावर ग्रिड ने इस औद्योगिक क्षेत्र में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का निर्माण किया है। पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इण्डिया ने अपनी सीओएसओआरओ निधि के माध्यम से देश व प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये हैं। एम्स, गोरखपुर में मरीजों के तीमारदारों के लिए पावर ग्रिड कॉरपोरेशन द्वारा 500 व्यक्ति क्षमता का विश्रामालय निर्मित किया जा रहा है। पावर ग्रिड ने बीओएचओयूओ, वाराणसी में कैंसर अस्पताल में मरीजों के लिए एक यात्री विश्रामालय का निर्माण किया है, जिसका उद्घाटन स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ने केओजीओएमओयूओ, लखनऊ में भी इसी प्रकार के विश्रामालय का निर्माण किया है। एसओजीओपीओजीओआईओ के

चिकित्सकों द्वारा टेलीकंसल्टेशन दिये जाने के लिए भी पावर ग्रिड कॉरपोरेशन द्वारा सीओएसओआरओ निधि से व्यवस्था की गयी है। कॉरपोरेशन ने अन्य स्थानों पर भी अपनी सीओएसओआरओ निधि से विभिन्न कल्याणकारी कार्य किये हैं। आज कॉरपोरेशन द्वारा सहजनवां क्षेत्र के नौजवानों के लिए एक सौगात दी गयी है। यहां जो उद्योग लग रहे हैं, उनमें इस आईटीआईआईओ से निकले युवाओं को रोजगार भी प्राप्त हो जायेगा। यह युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार की गारण्टी है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार की यह गारण्टी है कि प्रत्येक युवा को कौशल प्राप्त हो और उसे स्थानीय स्तर पर रोजगार भी मिले।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज गीडा का विस्तार धुरियापार तक हो गया है। विकास अब गाँव-गाँव तक पहुंच चुका है। पं० दीनदयाल उपाध्याय ने कहा था कि आर्थिक विकास का मापक बड़े भवन नहीं, बल्कि समाज के अन्तिम पायदान पर स्थित व्यक्ति का विकास है। आज डबल इंजन सरकार द्वारा गाँव-गाँव तक विकास को पहुंचाना इसे सिद्ध कर रहा है। विगत 08 वर्षों में गीडा में 12 से 15 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जिसके माध्यम से अकेले गीडा क्षेत्र में लगभग 50 हजार नौजवानों को नौकरी प्राप्त हुई है। यहाँ वरुण बेवरेजेज़ का प्लांट लग चुका है, यहां गीता प्रेस की यूनिट भी लग रही है। यहाँ गैलेन्ट इस्पात व अंकुर उद्योग के साथ अन्य नये उद्योग भी लग रहे हैं। सीमेंट फैक्ट्री भी गीडा में लगने वाली है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि धान की फसल होने के उपरान्त पहले इस क्षेत्र के लोग अवशेष पराली को जला देते थे, जिससे खेत की उर्वरता कम होती थी तथा पर्यावरण भी प्रदूषित होता था। अब इस क्षेत्र में पराली न जलाकर, इसे कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट में बेचकर लाभ कमा सकते हैं। इससे पराली के दाम मिलने के साथ ही पर्यावरण की रक्षा भी होगी। धुरियापार में इण्डियन ऑयल ने कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट लगा दिया है। जब पर्यावरण का संरक्षण होगा, तो हम स्वस्थ रहेंगे और प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत की संकल्पना में अपना योगदान दे सकेंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य है। राज्य की 55 से 60 प्रतिशत जनसंख्या कामकाजी है। यह युवा वर्ग है। हमारे पास आज कामकाजी युवा के रूप में काफी स्केल है। हमें इस स्केल को स्किल से जोड़ना है। गीडा ने इस दिशा में कार्य करते हुए इस क्षेत्र में 'नाइलेट' की शाखा खोली है। यहाँ कैम्पस सेलेक्शन के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर दिये जायेंगे। पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ने इस क्षेत्र में एक आईटीआईआईओ का निर्माण कर उत्तर प्रदेश सरकार को सांप दिया है। प्रदेश सरकार यहाँ के उद्योगों की माँग के अनुसार कोर्स चलाकर इस आईटीआईआईओ का संचालन करेगी।



किसानों को सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु डबल इंजन सरकार कृत संकल्पित है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 12 दिसंबर, 2025 को जनपद बाराबंकी में 'प्रगतिशील किसान सम्मेलन : खेती की बात खेत पर' एवं किसान पाठशाला के 08वें संस्करण का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश के पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित प्रगतिशील किसान श्री राम सरन वर्मा तथा अन्य किसानों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्ति-पत्र तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किये। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन, किसानों से संवाद तथा खेतों का निरीक्षण किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में किसानों को सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु डबल इंजन सरकार कृत संकल्पित है। 'खेती की बात खेत पर' के भाव के साथ हम लखनऊ के सचिवालय में बैठकर नहीं, बल्कि किसान के खेत में जाकर योजनाओं का लाभ अन्नदाता किसान को प्रदान करेंगे। हमारा अन्नदाता किसान समृद्ध होगा, तो प्रदेश समृद्ध बनेगा। प्रदेश समृद्ध होगा तो देश भी समृद्ध होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि किसानों को विगत 08 वर्षों से एम0एस0पी0 का लगातार लाभ प्राप्त हो रहा है। बिचौलियों की भूमिका समाप्त कर, किसान या खेती करने वाला व्यक्ति ही अपनी उपज को क्रय केन्द्र में बेच सकता है। प्रदेश में अन्नदाता किसानों को स्वॉयल हेल्थ कार्ड और फसल बीमा की सुविधा प्रदान की जा रही है। गन्ना मूल्य का भुगतान ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त कर चुका है। कृषि मण्डियों और गांवों तक सड़क नेटवर्क का विस्तार, वैल्यू चेन स्टोरेज प्रोसेसिंग के क्षेत्र में निवेश को आगे बढ़ाने, किसानों को बाजार और निर्यात से जोड़ने का प्रयास, प्रत्येक खेत को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराते हुए नहरों, पाइप लाइन

माइक्रो इरीगेशन और सोलर पम्प का विस्तार, जल संरक्षण अभियान, ड्रोन डोजिंग, सौर ऊर्जा, एफ0पी0ओ0, स्टार्टअप्स आधारित फसल और मूल्य संवर्धन आदि से सम्बन्धित योजनाएं प्रदेश में दिखाई दे रही हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में खरपतवार नियंत्रण, स्वॉयल टेस्टिंग तथा प्राकृतिक खेती पर विशेष फोकस किया गया है। किसानों को कृषि क्षेत्र में उद्यमिता के लिए प्रेरित किया जा रहा है। प्रदेश में फूड प्रोसेसिंग, कोल्ड स्टोरेज, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल मण्डी आदि में युवाओं को रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध कराये गये हैं। एक्सप्रेस-वे और लॉजिस्टिक्स पार्क से किसानों की उपज को राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय बाजार में पहुंचाने की सुविधा प्राप्त हुई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में विश्व बैंक के सहयोग से 'यू0पी0 एग्रीकल्चर ग्रोथ एण्ड रूलर इंटरप्राइजेज इकोसिस्टम स्ट्रेंथनिंग प्रोजेक्ट' अर्थात् यू0पी0 एग्रीज परियोजना प्रारम्भ हो चुकी है। प्रदेश के कम कृषि ग्रोथ वाले 28 जनपदों को 4,000 करोड़ रुपये की लागत से 06 वर्षों की अवधि के लिए परियोजना के अन्तर्गत जोड़ा गया है। इनमें पूर्वी उत्तर प्रदेश और बुन्देलखण्ड के जनपद सम्मिलित हैं। बाराबंकी पूर्वी उत्तर प्रदेश का गेट-वे है। यहां से पूर्वी उत्तर प्रदेश की शुरुआत होती है। बुन्देलखण्ड के जनपद पहले जल के अभाव से ग्रसित थे, आज वहां पर पर्याप्त मात्रा में जल संसाधन उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में अन्नदाता किसानों को तकनीक से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। ओ0डी0ओ0पी0 योजना, एस0एच0जी0, बी0सी0 सखी, ड्रोन दीदियां रोजगार के स्थानीय उद्यम के सशक्त माध्यम बने हैं। प्रदेश के 09 क्लाइमेटिक जोन के अनुरूप तकनीक तथा बीज आदि किसानों को उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य आगे बढ़ रहा है।

आज किसानों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ डी0बी0टी0 के माध्यम से पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराया जा रहा है। बिचौलिया मुक्त खाद्यान्न खरीद की व्यवस्था की गयी है। विगत 08 वर्षों में कृषि विकास की दर 8.6 प्रतिशत से बढ़कर 17.7 प्रतिशत हो गयी है। उत्तर प्रदेश देश के कुल गेहूं उत्पादन में 35 प्रतिशत योगदान कर रहा है, जो देश में प्रथम है। कुल राष्ट्रीय खाद्यान्न उत्पादन में प्रदेश का योगदान 21 प्रतिशत तथा गन्ना उत्पादन में 55 प्रतिशत है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश गन्ना किसानों को सौगात देते हुए गन्ने का एस0ए0पी0 400 रुपये प्रति कुन्तल तय किया गया है। किसान इसका लाभ प्राप्त कर रहा है। विगत 08 वर्षों में प्रदेश सरकार ने गन्ना किसानों को 02 लाख 92 हजार करोड़ रुपये से अधिक गन्ना मूल्य भुगतान किया है। प्रदेश में 122 चीनी मिलों का संचालन हो रहा है। एथेनॉल उत्पादन 41 करोड़ लीटर से बढ़कर 182 करोड़ लीटर हो गया है, जो देश में प्रथम स्थान पर है। राज्य में आलू, केला, औद्योगिक तथा अन्य ऑर्गेनिक फसलों के उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। फल और सब्जियों के उत्पादन में भी प्रदेश अब देश में नम्बर एक पर है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी हमेशा इस बात को कहते हैं कि किसान की आमदनी को बढ़ाने का पहला मंत्र यह है कि लागत कम तथा उत्पादन ज्यादा हो। लागत कम करने के लिए अन्नदाता किसानों को समय पर बीज व खाद उपलब्ध कराना, सिंचाई की बेहतर सुविधा देना तथा कृषि के वैज्ञानिक तरीके को अपनाया जाना आवश्यक है। किए गए प्रयासों और नवाचारों के परिणामस्वरूप आज यहां कुछ प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया है।



30प्र0 को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने की दिशा में कार्यों को और तेज गति से आगे बढ़ाया जाए :मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 16 दिसम्बर, 2025 को यहाँ लखनऊ में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी से जुड़े कार्यों की विभागवार समीक्षा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने की दिशा में कार्य सही मार्ग पर हैं तथा इनमें और अधिक प्रगति की व्यापक सम्भावनाएं हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि इस दिशा में कार्यों को और तेज गति से आगे बढ़ाया जाए।

मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जी0एस0डी0पी0) वर्ष 2016-17 में 12.5 लाख करोड़ रुपये था, जो वर्ष 2024-25 में 29.78 लाख करोड़ रुपये हो गया। वर्ष 2025-26 में जी0एस0डी0पी0 36 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। वर्ष 2024-25 में देश की अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश का योगदान 09 प्रतिशत से अधिक है, जबकि वर्ष 2022-23 में यह 8.6 प्रतिशत था। बैठक में यह भी बताया गया कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में जी0एस0डी0पी0 लक्ष्य का 93 प्रतिशत पहले ही प्राप्त किया जा चुका है। अब लगभग 42 लाख करोड़ रुपये के जी0एस0डी0पी0 लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश के कुल 21 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादन में योगदान देता है। खाद्यान्न एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए कृषि रणनीति के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की कृषि विकास दर 13 प्रतिशत से अधिक बनी हुई है। इस

क्रम में सीड पार्क के निर्माण तथा यूपी एग्रीज परियोजना के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि का सबसे बड़ा कारण कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी है। बेहतर बीज, उन्नत तकनीक तथा खेती के क्षेत्र के विस्तार से फसलों की पैदावार बढ़ी है। साथ ही, उच्च उत्पादन और अधिक मूल्य देने वाली फसलों की खेती से किसानों की आय और कुल उत्पादन दोनों में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, फसलों के किस्मवार सटीक मूल्य आकलन से कृषि उत्पादन का अधिक सटीक और बेहतर मूल्यांकन सम्भव हो सका है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सड़क सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कोहरे आदि के दृष्टिगत सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। उन्होंने परिवहन विभाग को इस संबंध में एक व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही, कॉमर्शियल वाहनों की पंजीकरण फीस को व्यावहारिक बनाने तथा आमजन की सुलभ यात्रा के लिए गुणवत्तापूर्ण बस सेवाओं में वृद्धि करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में विगत वर्षों में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटकों का आगमन हुआ है। इस वर्ष जून माह तक लगभग 125 करोड़ पर्यटक प्रदेश में आए हैं। उन्होंने गढ़मुक्तेश्वर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश का एक प्रमुख तीर्थ स्थल बताते हुए वहां श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधाओं में वृद्धि के निर्देश दिए। साथ ही, होम-स्टे पॉलिसी को प्रभावी ढंग से लागू करने और

होटल उद्योग को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि टूरिस्ट डेस्टिनेशन प्लान विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत प्रत्येक जनपद के लिए लक्ष्य निर्धारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना के तहत लाभार्थियों को दी जाने वाली धनराशि का एक हिस्सा खरीदारी के लिए पूर्व में उपलब्ध कराया जाए, जबकि शेष राशि का उपयोग विवाह आयोजन के समय किया जाए। इसके साथ ही, ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना में तेजी लाने तथा उपलब्ध कराए जाने वाले कम्प्यूटर वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप एवं उच्च गुणवत्ता के हों, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार आंगनबाड़ी केंद्रों को प्री-प्राइमरी शिक्षा केंद्रों के रूप में विकसित कर रही है, क्योंकि ये प्राथमिक शिक्षा की मजबूत नींव हैं। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण एवं उन्नयन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही, बेसिक शिक्षा के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा निर्मित किए जा रहे विद्यालयों का गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निर्माण सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री श्रमजीवी महिला छात्रावासों के निर्माण हेतु भूमि की उपलब्धता के दृष्टिगत सम्बन्धित जनपदों से समन्वय कर कार्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।



पी0ए0सी0 बल के अनुशासन, शौर्य, त्याग और समर्पण का एक गौरवशाली इतिहास है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 17 दिसम्बर, 2025 को उत्तर प्रदेश प्रादेशिक आर्म्ड कॉन्स्टेबुलरी (यू0पी0पी0ए0सी0) के संस्थापना दिवस समारोह-2025 का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने सर्वोत्तम वाहिनी, सर्वश्रेष्ठ बाढ़ राहत दल, उत्कृष्ट खिलाड़ी, बेस्ट पुलिस मॉडर्न स्कूल और मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। उन्होंने पी0ए0सी0 बल द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम में प्रदेशवासियों को उत्तर प्रदेश पी0ए0सी0 के 78वें संस्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि पी0ए0सी0 बल के अनुशासन, शौर्य, त्याग और समर्पण का एक गौरवशाली इतिहास है। साहस, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, व्यावसायिक दक्षता और कठिन प्रशिक्षण ही पी0ए0सी0 बल की पहचान है। प्रदेश सरकार पी0ए0सी0 के जवानों के सम्मान के साथ उनकी सुविधा और संसाधनों में निरंतर वृद्धि के लिए कृत संकल्पित है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पी0ए0सी0 के अधिकारी और कर्मचारी प्रदेश के साथ-साथ देश के अन्य राज्यों में विभिन्न आयामों के माध्यम से अपना योगदान दे रहे हैं। पी0ए0सी0 बल देश के सर्वाधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में आन्तरिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने तथा कानून व्यवस्था की स्थिति सुदृढ़ करने में अपनी प्रभावी भूमिका का निर्वहन करने के साथ ही, आपदा प्रबन्धन, महत्वपूर्ण पर्व व त्योहारों, अति विशिष्ट महानुभावों के आगमन तथा शान्तिपूर्ण ढंग से लोकतन्त्र के महापर्व के रूप में चुनावों को सम्पन्न कराने में अग्रिम मोर्चे पर रहकर कार्य करता रहा है। यह बल यातायात पुलिस, प्रतिसार निरीक्षक ड्यूटी, प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षक एवं आर0टी0 सी0 प्रभारी के दायित्वों के निर्वहन के साथ ही, ए0टी0एस0 एवं एस0टी0एफ0 के कमाण्डों के रूप में निरन्तर कर्तव्यरत है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा पी0ए0सी0 जवानों की संख्या, उनकी क्षमता, प्रशिक्षण और तकनीक में वृद्धि का कार्य निरन्तर जारी है। इस बल को एस0एल0आर0, इन्सास राइफल, मल्टीसेल लॉचर, एंटी रायट व टियर गैस गन जैसे अत्याधुनिक हथियारों और दंगा नियन्त्रण उपकरणों से सुसज्जित किया गया है। पी0ए0सी0 कार्मिकों की व्यावसायिक दक्षता में गुणात्मक सुधार किए जाने हेतु पूर्व में प्रचलित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को अपडेट करते हुए उन्हें सेवाकाल के दौरान ए, बी, सी कोर्स नियमित रूप से कराए जा रहे हैं। आज पी0ए0सी0 बल में सर्वाधिक संख्या युवाओं की है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पुलिस कल्याण योजना के अन्तर्गत प्रदेश में 31 पुलिस मॉडर्न स्कूल संचालित हैं। पी0ए0सी0 स्थापना दिवस पर पहली बार पुलिस मॉडर्न स्कूलों में 'बेस्ट परफॉर्मेंस पी0एम0एस0' का चयन किया गया है। पी0ए0सी0 वाहिनी में कार्यरत जवानों को मार्केट रेट से कम दाम पर दैनिक उपभोग की वस्तुएं उपलब्ध कराने के लिए 13 मास्टर कैन्टीन और 103 सब्सिडियरी कैन्टीन संचालित हैं। सभी पी0ए0सी0 जवानों हेतु आवासीय सुविधा सुनिश्चित करने के लिए पी0ए0सी0 की 33 में से 31 वाहिनियों में प्रत्येक में 200 जवानों की आवासीय व्यवस्था हेतु जी 11 टाइप की बहुमंजिला बैरकों का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ाया गया है। इनमें से 18 वाहिनियों में यह कार्य पूर्ण हो चुका है। 13 वाहिनियों में निर्माण कार्य प्रगति पर है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पी0ए0सी0 वाहिनियों में पूर्व निर्मित आवासों की वार्षिक मरम्मत एवं विशेष मरम्मत हेतु आवश्यक धनराशि स्वीकृत की गई है। प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखकर पुलिस भर्ती में कम से कम 20 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु अनेक कदम उठाए गए हैं। प्रदेश में पहली बार पी0ए0सी0

की तीन महिला बटालियनों के गठन का कार्य प्रारम्भ किया गया है। इनमें लखनऊ में वीरांगना ऊदादेवी, गोरखपुर में वीरांगना झलकारीबाई तथा बदायूं में वीरांगना अवंतीबाई लोधी के नाम पर बटालियन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त 03 अन्य महिला वाहिनी की स्थापना के क्रम में मीरजापुर एवं जालौन में भूमि प्राप्त हो चुकी है। जनपद बलरामपुर में भूमि क्रय की कार्यवाही प्रचलित है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि खेलकूद के प्रोत्साहन एवं खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन हेतु वर्ष 2024 में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर खेल बजट को 70 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये किया गया है। इसे खिलाड़ियों के विशेष आहार, उनके उपयोगार्थ खेलकूद किट, उपकरण एवं खेल से सम्बन्धित अन्य वस्तुओं के क्रय किए जाने पर व्यय किया जा सकता है। इसके फलस्वरूप वर्ष 2025 में प्रदेश पुलिस टीम की ओर से विभिन्न अन्तरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करते हुए खिलाड़ियों द्वारा 14 स्वर्ण पदक, 02 रजत पदक और 03 कांस्य पदक अर्जित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विभिन्न राष्ट्रीय एवं अखिल भारतीय पुलिस खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करते हुए खिलाड़ियों द्वारा कुल 94 स्वर्ण, 70 रजत और 111 कांस्य पदक अर्जित किए गए हैं। प्रदेश में सुरक्षा व सुशासन के बेहतर वातावरण हेतु सरकार की अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेन्स की नीति निरन्तर प्रचलित है। विगत 08 वर्षों में उत्तर प्रदेश पुलिस बल में 2,19,000 कार्मिकों की भर्ती सम्पन्न की गई है। इन भर्तियों में 20 प्रतिशत महिला आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। पुलिस की ट्रेनिंग की क्षमता में कई गुना वृद्धि हुई है। हाईराइज भवन प्रदेश पुलिस बल की अवस्थापना सुविधा के उदाहरण बने हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस के रिफॉर्म को ध्यान में रखते हुए 07 जनपदों में पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम लागू किया गया है।